

## GOD'S SIMPLE PLAN OF SALVATION FROM JOHN



**Why did Jesus die?**

### **1. Man by nature does evil (wrong).**

John 3:19 इ निरनय क आधार इ बाटइ कि ज्योति इ दुनिया मँ आइ गइ अहइ, मुला कछू मनई अइसे अहइँ कि ज्योति क न देखिके आँधियारे क जियादा महत्व देत अहइँ काहेकि ओनके सब करम बुरा अहइँ।



**We are all sinners!**

### **2. By that nature we are condemned.**

John 6:40 “इहइ मोरे परमपिता क इच्छा अहइ कि हर एक मनई जउन पूत क देखत ह अउर ओहमाँ बिसवास करत ह, अनन्त जीवन पाई अउर आखिरी दिन मई ओका जियाइ देइ।”

John 3:18 जउन मनई परमेस्सर क पूत मँ बिसवास करत हीं, ओनका दोसी न ठहरावा जाइ, मुला जे ओनके मँ बिसवास नाहीं करतेन, ओका तउ दोसी ठहरावा जाइ चुका अहइ, काहेकि उ परमेस्सर क एकलौता पूत मँ बिसवास नाहीं करत ह।

John 3:36 एह बरे जउन ओकरे पूत मँ बिसवास करत ह, अनन्त जीवन पइहई मुला जे परमेस्सर क पूत क बात नाहीं मानत ओका इ जीवन नाहीं मिली। एकरे बजाय उ परमेस्सर क कोप का भाजन बनी।”



**There is a cost for sin!**

### **3. Jesus was in the world and he died for us.**

John 14:6 “ईसू ओसे कहेस, “मई रस्ता अहउँ, सच्चाई अहउँ अउर जीवन अहउँ। मोरे बगैर कउनो परमपिता क लगे नाहीं आइ सकत।

John 3:17 परमेस्सर आपन पूत इ बरे नाहीं पठएस कि उ दुनिया क अपराधी साबित करइ, उ तउ इ बरे भेजेस अइसे कि समूची दुनिया क उद्धार होइ जाइ।

John 1:10,12 “ उ तउ इहइ दुनिया मँ रहा अउर इ दुनिया क उहइ पइदा किहेस मुला दुनिया ओका पहिचान नाही पाएस। मुला जउन मनई ओका अपनाइ लिहेन्ह, ओनका सबका उ परमेस्सर संतान होइ क अधिकार दिहेस।”

#### **4. Salvation is a free gift, not by good works. You must take God's word for it, and trust Jesus alone!**

Eph. 2:8-9 परमेस्सर क अनुग्रह दुआरा आपन बिसवास क कारण तू बचावा गया ह। इ तू सबन क तोहरी कइँती स मिली नाही बा, बल्कि इ तउ परमेस्सर क बरदान अहइ। इ हमरे किहे कर्मन क परिणाम नाही बा कि हम एकर गरब कइ सकी।

Titus 3:5 उ हमार उद्धार किहेस। इ हमार निर्दोस ठहराइ जाइके बरे हमार कीहीउ काम द्वारा नाही भवा बल्कि ओकरी करुणा द्वारा भवा। उ हमार रच्छा ओह स्नान क द्वारा किहेस जेहमाँ हम फिन पइदा होइत ह अउर पवित्तर आतिमा क द्वारा नवा बनावा जात अहीं।

Acts 4:12 कउनो दूसर स उद्धार नाही अहइ, संसारे मँ अउर दूसर नाउँ नाही अहइ जेहसे मानव जाति बचाई जाय सकइ। हम सब ईसू स ही उद्धार पाउब!”

#### **5. You must believe on the Lord and you will have everlasting life!**

John 5:24 “मइँ तोहका सच-सच बतावत हउँ जउन मोर बात सुनत ह अउर ओह पइ बिसवास करत ह जउन ओका भेजे अहइ, तउ उ अनन्त जीवन पावत ह। निआव क दंड ओकरे ऊपर नाही पइत। उ मनई मृत्यु स जीवन मँ प्रवेस पाइ जात ह।

John 6:47 “मइँ तोहसे सच-सच कहत बाटेउँ कि जउन मनई बिसवास करत ह उ अनन्त जीवन पावत ह।

John 10:28 उ सबइ मोरे पीछे पीछे चलत थीं अउर मइँ ओनका अनन्त जीवन देइत ह। ओनकइ कबहूँ नास नाही होतइ, अउर न तउ केहूँ ओनका मोसे छीन पाई।



*If you want to accept Jesus Christ as your Savior and receive forgiveness from God, here is prayer you can pray. Saying this prayer or any other prayer will not save you. It is only trusting in Jesus Christ that can provide forgiveness of sins. This prayer is simply a way to express to God your faith in Him and thank Him for providing for your forgiveness.*



**"Lord,**

**I know that I am a sinner. I know that I deserve the consequences of my sin which is death and hell. However, I am trusting in Jesus Christ as my Savior. I believe that His death and resurrection provided for my forgiveness. I trust in Jesus and Jesus alone as my personal Lord and Savior. Thank you Lord, for saving me and forgiving me! Amen!"**